राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 40/- संख्या 2482
समुद्री लुटेरे
सुपर कमाण्डो ध्रुव
नागराज
Stuti 2011
फाइटर टोड्स
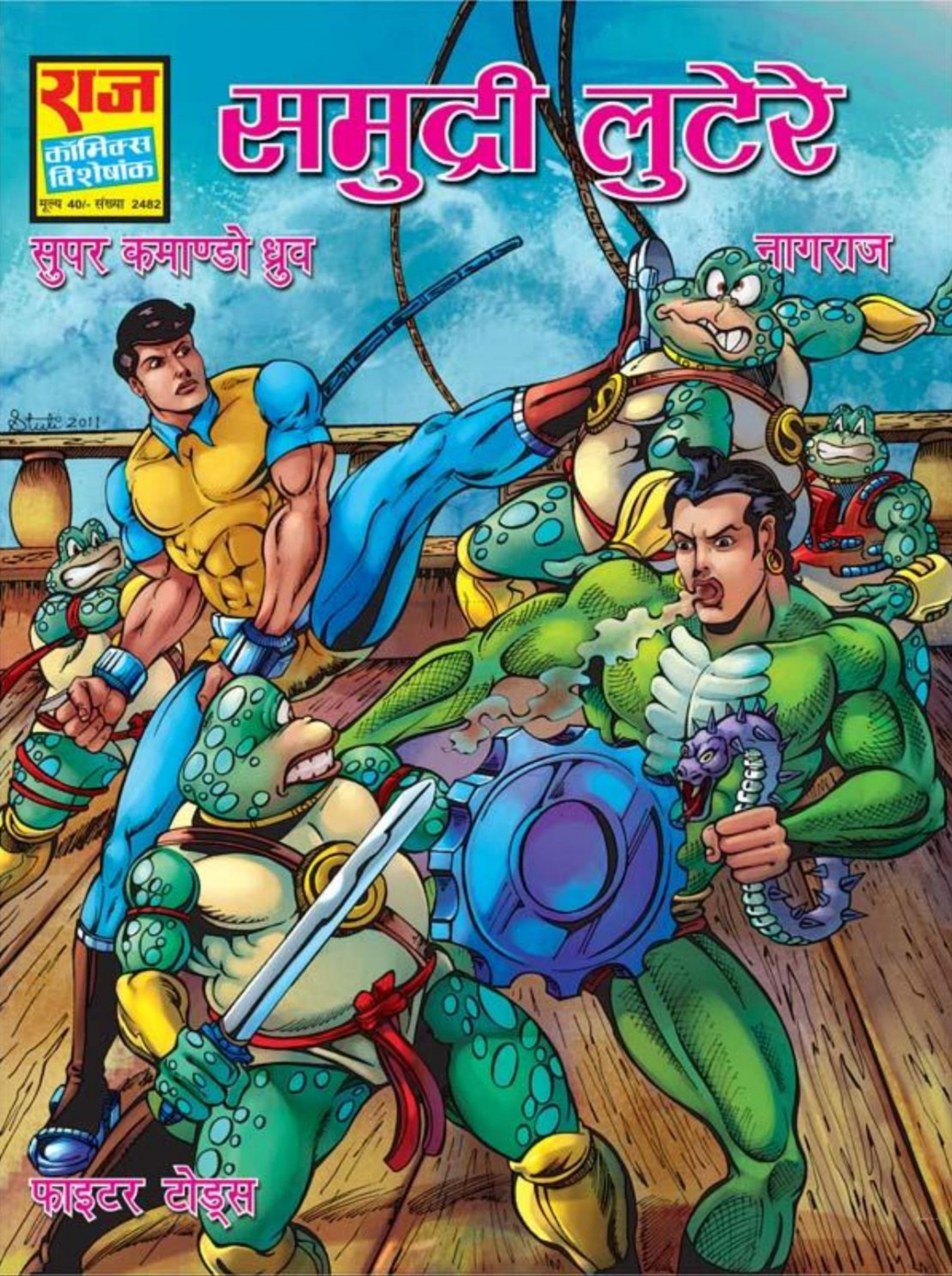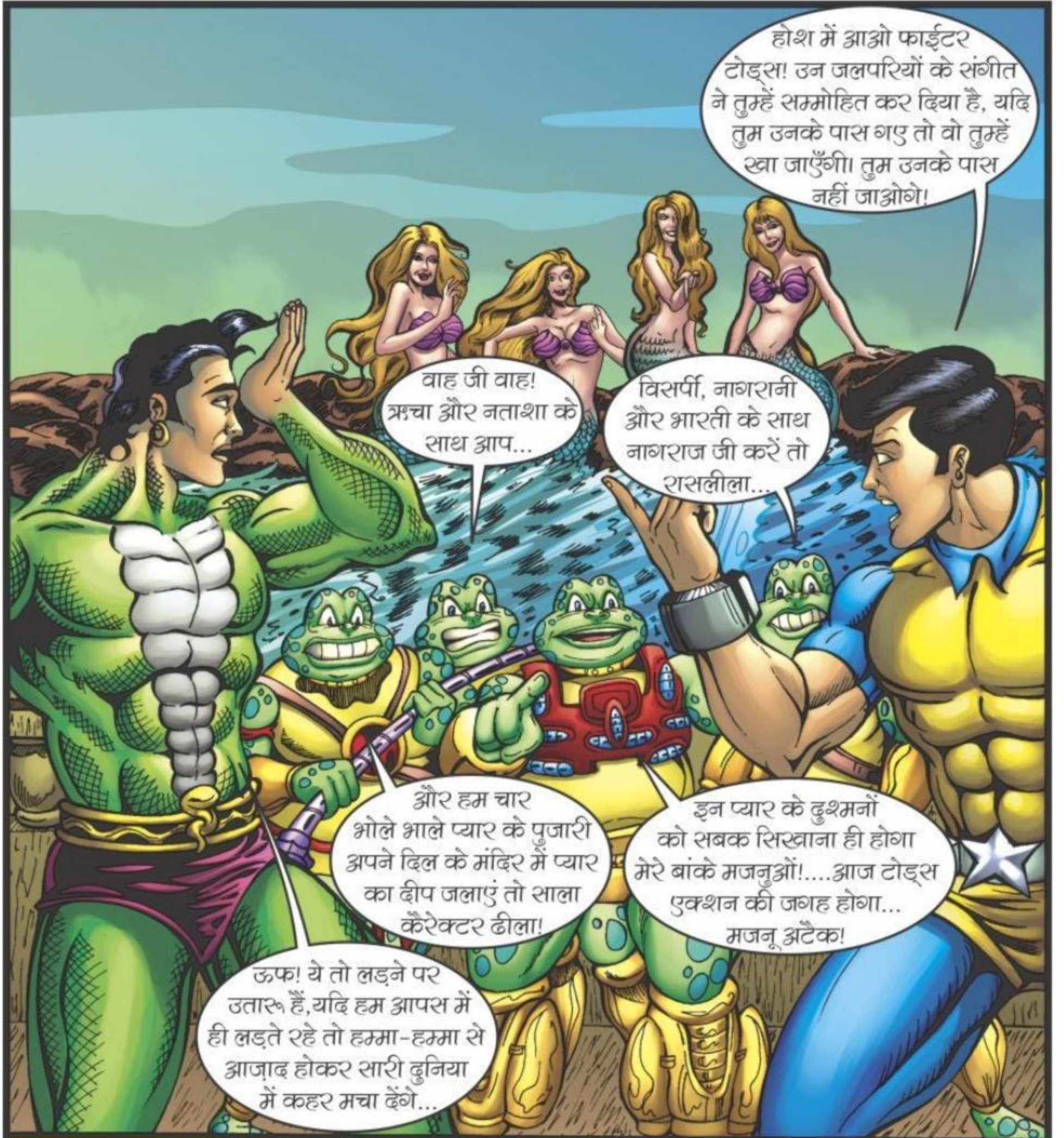
होश में आओ फाईटर टोड्स! उन जलपरियों के संगीत ने तुम्हें सम्मोहित कर दिया है, यदि तुम उनके पास गए तो वो तुम्हें खा जाएँगी। तुम उनके पास नहीं जाओगे!
वाह जी वाह! ऋचा और नताशा के साथ आप...
विसर्पी, नागरानी और भारती के साथ नागराज जी करें तो रासलीला...
और हम चार भोले भाले प्यार के पुजारी अपने दिल के मंदिर में प्यार का दीप जलाएं तो साला कैरेक्टर ढीला!
इन प्यार के दुश्मनों को सबक सिखाना ही होगा मेरे बांके मजनूओं!....आज टोड्स एक्शन की जगह होगा... मजनू अटैक!
ऊफ! ये तो लड़ने पर उतारू हैं,यदि हम आपस में ही लड़ते रहे तो हम्मा-हम्मा से आज़ाद होकर सारी दुनिया में कहर मचा देंगे...
संजय गुप्ता पेश करते हैं
समुद्री लुटेरे
कथा लेखन : नितिन मिश्रा
चित्रांकन : स्तुति मिश्रा
इफेक्टस: शादाब सिद्दीकी
संपादक: मनीष गुप्ता
राज कॉमिक्स है मेरा जनून!
www.downcomix.com

दुनिया को तबाह करने वाली हर बड़ी घटना की तरह इस घटना की शुरुआत भी एक अँधेरी सुनसान गली से हुई थी...
...राजापुरी बंदरगाह से शहर को जाती उस गली के सन्नाटे को उस रहस्यमयी लंगड़े के पदचाप भंग कर रहे थे।
ठक्क-ठाक ठक्क-ठाक!!
पंजू उस्ताद के इलाके से बिना टैक्स दिए मक्खी भी नहीं गुजर सकती तू तो आदमी है, एक बटा चार ही सही।
चल बे लंगड़े! निकाल फटा-फट!
क्या निकालूं?
अबे अंटी में जो कुछ है निकाल, वरना दूसरी टंगड़ी भी छील के एक बटा चार से एक बटा दो कर दूँगा।
मेरी अंटी में जो है अगर मैंने निकाल दिया तो तुम लोगों का बहुत कुछ निकल जायेगा।
साले लंगड़े हीरो बनता है! पाडू, अल्लू इसके बचे हुए हाथ-पैर भी छील कर ठूंठ बना दो साले को!
मैंने आज ही अपने चक्कू की धार लगाई है पंजू उस्ताद, इस लंगड़े पर ही टेस्टिंग करता हूँ।
त..तुम लोगों ने बाइक्स की आवाजें सुनीं।
घड़-घड़-घड़-घड़-वरूमम!!
म..मर गए पंजू उस्ताद ये तो स..स्पेशल बाइक्स की आवाजें हैं...य ..यानी आ गए हैं...

फाईटर टोड्स!
टोड्स एक्शन!!
हाय! बाणों के गुलदस्ते ने पतलून के पायंचो में दस्त की गुल-गुली कर दी...अबे कोई पानी का लोटा लाओ बे।
सर्रट
बू..हू..हू..हू.. माफ कर दो माई-बाप, आज के बाद गुंडई छोड़ दूँगा!
धड़ाक-धाड़!
कटर को गाली दी! एक गुंडे का मम्मी-पापा बोला!
टर्रर्रर्र....मार-मार कर आदमी से गधा बना दूँगा!
एक अकेले लाचार अपाहिज को लूटने की कोशिश करते हो, तुम्हें तो ऐसी मार मारनी चाहिए कि तुम्हारी सात पुश्तें लूली-लंगडी पैदा हों।
धाड़-धड़ाक!
त..तुम चारों...टोड मानव हो!!
यदि इसे सच बता दिया तो कहीं बेचारा यहीं बेहोश ना हो जाये...
...इसे भी वही बताना होगा जो बाकी दुनिया जानती है।
हमने क्राइम फाइटिंग के लिए लड़ाके डुओं की पोशाक धारण की हुई है।

आधे मिनट पश्चात्!
अब आप आराम से अपने रास्ते जा सकते हैं मिस्टर।
"तुम चारों मुझे मूर्ख नहीं बना सकते...मैं जान गया हूँ कि तुम चारों टोड मानव ही हो।"
वर्षों से जिस पल की प्रतीक्षा थी वो आने ही वाला है...मेरा यहाँ आना बेकार नहीं गया।
नुक्कड़ की रामलीला में लक्ष्मण की एक्टिंग करना आज काम आ गया, वर्ना तो साले मार-मार कर भुरता बना देते, अब चलो सबसे पहले मुझे अपनी पतलून साफ करनी है।
ठहरो! तुम्हें मेरी अंटी का माल चाहिए था ना?
यह लो मेरी अंटी का माल, आज से यह तुम्हारा हुआ।
हाय दईया ये क्या है!
हाहहाहा....अब तैयार होगी कैप्टन कैटरपिल्लर की सेना।
अक्क!
सुक-सुक-सक्क-सक्क!!

संडे का दिन, यानी फाईटर टोड्स के लिए सबसे खुशी का दिन, क्योंकि संडे को उनसे मिलने आती है।
माँ!मम्मी! मॉम!माते!
मेरे बच्चों!
दिन भर चलता था फाईटर टोड्स की पढाई-लिखाई और...
...पिटाई का प्रोग्राम।
शूटर ठीक से मुर्गा बनो एक तो होम वर्क नहीं करता ऊपर से मुर्गा भी नहीं बन रहा।
पर मम्मी मैं तो टोड हूँ, मुर्गा कैसे बनूँ?
मोम देखो इस मास्टर के बच्चे ने मेरी पेंसिल की नोक तोड़ दी!
माँ, अपनी पेंसिल की नोंक मेरी पुक्की में चुभो रहा था।
अच्छा! और जो तूने कल मुझे कम्पास चुभोया था उसका क्या?
परसों तूने मुझे पेन्सिल शार्पनर से मारा था वो भूल गया?
बकर-बकर, बक-बक!
चुप हो जाओ तुम दोनों! मुँह बंद कर लो अपना!!
उवाँ!सौरी मम्मी अब हम शैतानी नहीं करेंगे चुप-चाप लड़ाई.. अं...पढाई करेंगे।
तुम दोनों का यही सही इलाज है वर्ना दोनों बड़े होकर नालायक बनोगे! देखो कम्पयूटर कैसे अच्छे बच्चों कि तरह पढ़ाई कर रहा है।
ही..ही..ही..ही..पर जरा ये भी तो देखो मम्मी कि अच्छा बच्चा बना कम्पयूटर क्या पढाई कर रहा है।

अच्छा तो ये बात है, पढ़ाई के बहाने छुप कर कॉमिक्स पढ़ी जा रही है कंप्यूटर पर!
आह! क्षमा कर दो माते अब नहीं करूँगा। 'ऑल दी बेस्ट' है ना रुका ही नहीं गया।
हाहाहा
संडे का दिन, यानी छुट्टी और मौज मस्ती का दिन, जब राजनगर वासी अपनी रोजमर्रा की परेशानियों को भुला देते हैं और राजनगर समुंद्री तट बन जाता है देसी ब्राजील।
लेकिन आज तीन मुसीबतों के सांड भी राजनगर में ही अपना सींग घुसेड़ने के मूड में थे।
हम कुछ ही देर में राजनगर पहुँचने वाले हैं हग्गू खान, आज संडे के कारण भीड़ भी ज्यादा होगी समुंद्री तट पर।
वई-वई भीड़ तो हमको बहुत पसंद है मुत्तु स्वामी,आतंकवादी घटना करने को बिल्कुल वई-वई जगह होती है भीड़,पर...
...हम सुना कि राजनगर में ध्रुव नाम का कोई छोकरा रहता जो हम जैसे भोले-भाले आतंकवादियों की नाक में ऊँगली करता है।
तुम बिल्कुल ठीक सुना हग्गू खान, ध्रुव अपराधियों की नाक में ऊँगली भी करटा और नाक का बाल भी उखाड़ लेटा!
वई-वई ये ध्रुव तो बहुत खतरनाक मालूम देती फ्लश डि सूजा बिरादर।
हग्गू खान, हमारे पास जो वेपन होटा उसका तोड़ ध्रुव के पास भी नहीं होना माँगता।
एकदम करेक्ट बोला फ्लश डि सूजा अन्ना, हमारे पास है इस सदी का सबसे डेंजर हथियार...

एटम बम से भी ज्यादा विध्वंसकारी और यूरेनियम से भी ज्यादा एडवांस्ड डूबेनियम बम!
ठीक बोलती मुत्तु बिरादर ये बम अगर समुन्दर के पानी में डूबेगी तो बड़ा वाला बूम करेगी जिससे ऐसा समुंद्री तूफ़ान आएगी जिसके सामने सुनामी भी बेनामी लगेगी वई-वई।
पर हग्गू खान, मुत्तु स्वामी और फ्लश डी सूजा नहीं जानते थे कि उनकी बदकिस्मती भी उनके साथ इस जहाज पर सवार थी।
अब तक तो सारी दुनिया जान चुकी होगी कि हम कोई ऐसे वैसे 'डू' नहीं हैं।
हम हैं आंगडू, बांगडू, सांगडू और पांगडू FROM PRIVATE DETECTIVE AGENCY "DOO-DOODEL-DOO"!!
चीफ ने हमें इन तीनों कुख्यात आतंकवादियों को लेकर समुन्द्र में डूब मरने का मिशन दिया है।
और हम इस मिशन को भी डूबा देंगे... मतलब आतंकवादियों को समुन्द्र में डूबा देंगे।
तो देर किस बात की है डूडल्स, एक्शन शुरू किया जाये!!
पहले ये बताओ हम जिस पीपे में हैं उसमें क्या था, क्योंकि पीपे में जो भी था अब हमारी पतलून में है।
अबे! एक्शन तो मेरी पैंट में शुरू हो गया है।
बचाओ-बचाओ!!
वई-वई फ्लश डि सूजा बिरादर तुम खाने के वास्ते कैसा केंकड़ा पीपे में लाती, ये केंकड़ा तो बचाओ-बचाओ चिल्लाती!
WHAT NONSENSE MAN! मैं अभी देखटा पीपे में क्या होटा!
धड़ाम!
बचाओ-बचाओ!
पीपे में जो कुछ भी था उन्हें देखने खुद ही बाहर आ गया।
मम्मी!!
चार-चार HUMAN CRABS! हमको वॉर्न भी करटा कि खुद को बचाओ वर्ना खा जायेगा! देखटा क्या है अपना-अपना पिछवाड़ा उठा के भागो मैन!

वई-वई
जहाज का कप्तान कहाँ गया!
बचाओ-बचाओ!
बचाओ-बचाओ!
अरे हियाँ ही हूँ! माई सेल्फ कैप्टेन अड्बडंगा फ्रॉम दरभंगा! ई का पकड़म-पकड़ाई खेलत हो डेकवा पर तुम लोगन।
अइयो ये केंकड़ा लोग हमको खाना माँगता कैप्टेन, हमको बचाओ!!
अबे हम ई शिपवा का कप्तान हूँ कौनो सुपर हीरो नाही कि तुम लोगन की जान बचाऊंगा, दुर ससुर का नाती।
इधर राजनगर समुन्द्र तट पर शुरू होने वाली थी एक एक्शन सीक्वेंस।
हे भगवान, ये क्या बला है!
ये भी यहाँ पार्टी मनाने आया है क्या...बू हू हू!
घर्रऽऽऽऽऽऽक्रियां!!
बू..हू..हू.हू..डर के मारे मुझे तो समझ ही नहीं आ रहा कि भागो-भागो चिल्लाऊं या बचाओ-बचाओ।
अबे दोनों साथ में चिल्ला.. समुंद्री राक्षस-समुंद्री राक्षस, भागो-भागो, बचाओ-बचाओ!

मैं तो यहाँ पेट्रोलिंग के लिए आया था क्योंकि तीन खतरनाक आतंकवादियों के राजनगर में घुसपैठ की टिप मिली थी पर यहाँ तो कुछ और ही माजरा नजर आ रहा है।
व्रूमSSSSSS!धड़ाक!
आघर्रSSSSSS!
हुर्रे!! हमारा सुपर हीरो आ गया!
अबे ये नागराज नहीं ध्रुव है।
क्यों बे, ध्रुव के नाम के पहले सुपर लगा है तो वो भी सुपर हीरो हुआ ना!
कड़ड़-कड़ाक!!
आप सभी लोग समुंद्री तट खाली कर दें फौरन!
ध्रुव भागने को बोल रहा है,अब हम फाईट कैसे देखेंगे.... बू..हू..हू!
अबे कॉमिक्स रिलीज होगी तब पढ़ लियो,अभी भाग!
ओह! गई ये वाली बाइक भी हर विलेन मेरी बाइक या स्टारकॉप्टर तोड़ने के पीछे पड़ा रहता है और इंश्योरेंस कंपनी वाले मेरी नाक में दम करते हैं।

ये अजीबो-गरीब प्राणी समुन्द्र से आया है, यहाँ के ब्लैक पिपर पाउडर और चिली कम्बशन सॉस का टेस्ट इसके लिए नया होगा!
शक्-शक्!
आघर्र!!
हर्र! हूऊ! क्रियां!
आँखों में होती भीषण तिलमिलाहट ने इसे और ज्यादा आक्रामक बना दिया है।

शक्क-शक्क !!
ऊफ! यह तो मुझे खींचते हुए समुन्द्र की ओर ले जा रहा है।
समुन्द्र से निकली बला ध्रुव को भी अपने साथ समुन्द्र में ही लिए जा रही थी और फिलहाल ध्रुव के पास इस परिस्थिति से निकलने का कोई रास्ता नहीं था।

राजनगर के रक्षक को लिए हुए एक मुसीबत समुन्द्र में जा रही थी और महानगर समुन्द्र से एक दूसरी मुसीबत बाहर आ रही थी, जिसे रोकने में जुटा था...
...महानगर का रक्षक
...नागराज!
बूम-बूडूम!!
क्रियांssssss!!
अघरssssss
मेरे जासूस सर्पों के मुताबिक कुछ ही देर पहले समुन्द्र से बाहर निकला है ये जलसर्प दैत्य, अच्छा हुआ मैं पास के ही एरिया में मौजूद था इसलिए यहाँ पहुँचने में ज्यादा समय नहीं लगा और इसे तबाही मचाने का समय नहीं मिला।
समुन्द्र से निकले इस विचित्र जलसर्प दैत्य पर तो ध्वंसक सर्पों का प्रहार कोई भी प्रभाव नहीं डाल पा रहा है।
सररर-शक्क-शक्क!!
उफ! पानी की धार का हथियार के रूप में प्रयोग कर रहा है ये।
सायं-सायं!!
यह समुन्द्र से पानी को खींच कर उसे हथियारों का रूप देकर मुझपर वार कर रहा है। मेरी शारीरिक क्षतिपूर्ति तो मेरे सूक्ष्म सर्पसैनिक कर देंगे परन्तु इसके यह जलवार मेरा अंग-भंग भी कर सकते हैं।

इसके वारों को रोकने का सबसे आसान तरीका है कि इसका संपर्क समुन्द्र से काट दिया जाए।
स्वूश !!!
क्रेयाँऽऽऽऽ हिस्सऽऽऽऽ !!!
उफ! सांप की दुम सबसे कमबख्त चीज होती है, उसकी ओर किसी का ध्यान नहीं जाता और सांप उसी का फायदा उठाता है।
कड़ाकड़ाऽऽऽमम !!!
है तो यह जल सर्प का ही विकसित रूप! प्राकृतिक असहजता के कारण यह ज्यादा आक्रामक हो गया है। इस तरह तो यह महानगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का भट्ठा बैठा देगा।
भड़ाऽऽऽऽमम !!!!
समुन्द्र से बाहर आकर तो यह और भी ज्यादा आक्रामक हो गया है।

जलसर्पो की एक सबसे बड़ी कमजोरी यह होती है कि भूमि पर रहने वाले सर्पो की अपेक्षा इनकी खाल बेहद कोमल होती है।
सायं-सायं शक्क-शक्क !!
देखता हूं कि इसकी खाल को नागफनी सर्प काट पाते हैं या नहीं।
नागफनी सर्प इसके शरीर को काट तो रहे हैं, पर इसके घावों से समुंद्री सीवार जैसा जलसर्पो का जाल निकल रहा है जोकि मुझे कैद करने की चेष्टा कर रहा है।
इनकी कैद से तो मैं इच्छाधारी कणों में बदल कर आजाद.....अरे !! इनकी जकड़ में मैं खुद को इच्छाधारी कणों में नहीं बदल पा रहा हूँ !
ऐसा तभी संभव है जब यह प्राणी किसी काले जादू से अभिमंत्रित हो।

कहते हैं माँ की मार में भी बच्चों के लिए उसका दुलार छुपा होता है। दिन भर की धमा-चौकड़ी के बाद रात का वक्त होता है फाईटर टोड्स का अपनी माँ से कहानियां सुनने का।
तो बोलो बच्चों, आज कौन सी कहानी सुननी है?
पाइरेट्स वाली.... हां मम्मी पाइरेट्स वाली कहानी सुनाओ ना!
हम्मा-हम्मा के लुटेरे
आज से हजारों साल पहले, धरती के सारे समुन्द्र एक ही महासमुन्द्र के रूप में पृथ्वी पर मौजूद थे, इस महासमुन्द्र का नाम "हम्मा-हम्मा समुन्द्र" था, जिस पर राज करता था असीमित जादुई शक्तियों का स्वामी समुन्द्र का देवता हम्मा-हम्मा।
क्या वो भी अपनी टोपी से खरगोश निकाल सकता था?
हाहहाहा....नहीं मेरे भोले-भाले बच्चों, हम्मा-हम्मा का जादू इससे कहीं ज्यादा खतरनाक था।
अपने इसी काले जादू के घमंड में चूर समुन्द्र देव हम्मा-हम्मा सम्पूर्ण पृथ्वी पर एकछत्र राज करने के सपने देख रहा था।
सभी देवताओं ने हम्मा-हम्मा देव की काले जादू की शक्तियों को उसके साथ ही समुन्द्र में कैद कर दिया। अब ना हम्मा-हम्मा देव समुन्द्र से बाहर निकल सकता था ना ही उसके काले जादू की शक्तियां।
पृथ्वी पर पृथ्वी वासियों के ऊपर वो जादू बेअसर था लेकिन समुन्द्र के पानी में हम्मा-हम्मा का जादू बेहद खतरनाक और जानलेवा था।

"मानवों का समुंद्री यात्रा करना बेहद दूभर हो गया, मानवों के जहाजों को हम्मा-हम्मा अपने काले जादू के समुंद्री तूफानों से डूबा देता, और उसके जादुई समुंद्री राक्षस प्राणी मानवों को खा जाते।"
"उस समय समुन्द्र पर दो बेहद खूंखार पाइरेट गिरोह का राज था। जो कि समुंद्री यात्रा करने वाले यात्रियों को लूटने के अलावा समुन्द्र किनारे बसे नगरों में भी लूट-पाट, मार-काट मचाते थे।"
कौन है समुन्द्र का इकलौता बाप?
आप हुजूर बेलमुंडा आप!!
समुन्द्र का सबसे बड़ा लुटेरा कौन..?
तुस्सी हो बाशाओ...कैटरपिल्लर दी ग्रेट!
खचाक-खचाक!!
"धीरे-धीरे मानवों ने समुन्द्र की ओर जाना ही बंद कर दिया, पर हम्मा-हम्मा देव को तो पूरी मानव जाति का सर्वनाश कर देवताओं से अपने अपमान का बदला लेना था।"
"अपने कुत्सित इरादों को पूरा करने के लिए हम्मा-हम्मा देव ने इन दोनों पाइरेट कप्तानों को अपना मोहरा बनाया और उनके सामने रखा वो प्रस्ताव।"
गुड़-गुड़-गुड़-गुड़-बुद-बुद-बुद
मैं अपनी बेटी प्रिंसेस टाइड की शादी उससे करूँगा जो सबसे ज्यादा मानवों के कटे हुए सिर मेरे पास ले कर आएगा। मेरी बेटी के साथ-साथ उसे मेरे काले जादू की शक्तियां और मेरा अकूत समुंद्री खजाना भी मिलेगा।
आऊSSS!! प्रिंसेस टाइड तो बड़ी वाऊSSSहै। तू लौट जा लंगड़दीन, मेरे साथ ही बजेगी टाइड की शादी की बीन।
इस समुन्द्र और प्रिंसेस टाइड पर मेरा ही अधिकार होगा, तू तो है सिर्फ दो कौड़ी का गुंडा वो भी टुंडा, समझा बेलमुंडा!!
मुझे टुंडा और दो कौड़ी का गुंडा बोलता है!
मुझे लंगड़दीन बोलता है...!
अबे लंगड़दीन को लंगड़दीन नहीं तो क्या अलादीन बोलूं! एक टांग से शादी करेगा तू प्रिंसेस टाइड से?

साले हलकट ! शादी करने के लिए टांग की जरूरत नहीं होती.....दिल की होती है जो कि तेरे पास नहीं है।
अबे कल ही एक जहाज को लूट कर उसके पांच सौ यात्रियों के दिल काट के निकाले हैं मैंने...मुझसे ज्यादा दिलवाला तो इस दुनिया में कोई नहीं होगा।
अबे चुप! तुम दोनों को मानवों के सिर लाने को बोला है एक-दूसरे के नहीं।
छपाक-छप-छपाक !!!
तुम दोनों के पास बस तीन दिन और दो रातों का समय है।
यह मूर्ख नहीं जानते कि मेरी असली योजना क्या है,ये पत्ता तो मैंने अंत के लिए छुपा कर रखा है।
इन दोनों मूर्खों में से कोई भी जीते या कोई भी हारे असली जीत तो मेरी ही होगी।
"कैप्टेन बेलमुंडा और कैप्टेन कैटरपिल्लर ने पृथ्वी पर तबाही मचा दी।"
"उन दरिंदों ने एक ही दिन में सैकड़ों नगरों में हजारों-लाखों मासूम बेगुनाह लोगों के सिर काट डाले।"
अक्कड़-बक्कड़ बम्बे बो अस्सी नब्बे पूरे सौ ! सौ में लगा धागा...अरे ओ साम्बा कोई भी निकल के नहीं भागा!
सही कहा सरदार,सबके सिर हमने लिए उतार।
खचाक-खचाक !!
गुर्र...ये साम्बा हमेशा मुझे कैप्टन की जगह सरदार बुला कर मेरी कच्ची कर देता है। एक बार समुन्द्र का शहंशाह बन जाऊं इसे तो भुखमरी से ग्रस्त शार्क्स के बीच फिकवा दूँगा।
खचाक-खचाक-खचाक!!
कदम-कदम बढ़ाये जा, मानवों के सिर उड़ाये जा प्रिंसेस टाइड बनेगी सिर्फ मेरी, अनगिनत खोपडियां जुटाए जा ...हा..हा..हा..हा।

भयभीत मानवों ने देवताओं से मदद की गुहार लगाई और... अरे ये तो सो गए...
...मेरे भोले-भाले प्यारे बच्चे हर बार मुझसे यही कहानी सुनाने की जिद करते हैं और हर बार कहानी यहाँ तक आते-आते सो जाते हैं।
खर्र-दर्र्र्रSSSSS
इतिहास का यह सबसे रक्तिम अध्याय इनके लिए तो मात्र एक कहानी है...
...भगवान ना करे कि यह इतिहास दोबारा कभी भी खुद को दोहराए।
खर्र-दर्र्र्र !!!
शिप पर चल रहा चेज सीक्वेंस खत्म होने का नाम नहीं ले रहा था।
शिल्पात्री अगर थोड़ी देर और रुक जाती तो उसे पता चल जाता कि उसकी शंकाएं सच का भयावह रूप धारण कर ही रही थीं।
ये जरूर अपना पालटू मोंस्टर लेकर हमको पकड़ने को आटा.बू..बू..हू..!
अइयो जहाज घुमाओ कैप्टेन, जेल में ना रवा डोसा मिलता है और ना इडली।
वई-वई कुछ करो कैप्टन अड्बडगा, अगर ये केंकड़े हमको खाई तो हम तुमको नौकरी से निकाल देगी।
अरे घुमावत हैं! पानी का जहाज है कौनो ऑटो रिक्शा नाही।
अगर जिंदा बचा तो तोहार नौकरी से इस्तीफा तो हम खुद ही दे दूँगा। सामने देखो, लगता है कि ध्रुव को तोहार गतिविधियन की खबर लग गयी है, सुसरा समुंद्री राक्षस पर सवार हो कर आवत है तुम लोगन को मारे वास्ते।
वई-वई केंकड़ा हमारा पिछवाड़े का पप्पी लेती....

अच्छा हुआ कि सामने से आते जहाज ने अपना रास्ता बदल लिया वर्ना ये शैतान उसके यात्रियों के लिए खतरा बन सकता था।
क्रियांऽऽऽऽ !!
गुलुप-स्प्लाश !!
ओह! यह तो समुन्द्र के भीतर गोता लगा गया।
चलो समुन्द्र के नीचे भी इसे काबू करने के लिए कुछ ना कुछ मिल ही जाएगा!
क्रियांऽऽऽऽ !!
ग्लुप-शक्क-शक्क !!!
स्टार-लाइन का फंदा इसे पानी के भीतर भी सांस नहीं लेने देगा।
संभल पाने से पहले ही ये स्टार-लाइन के मजबूत जाल में जकडा होगा।

कमाल है, मुझे लगा नहीं था कि इसे इतनी आसानी से काबू किया जा सकता है!
सरररर.....शक्क शक्क !!
ओह! यह क्या है...
सररSSSSSS
समुंद्री भंवर तो हमेशा सतह से नीचे की ओर बनते हैं, यह कैसा भंवर है जो कि समुंद्री तल की सतह से उठ रहा है...
...यानी यह राक्षस किसी बड़ी प्लानिंग का हिस्सा मात्र था...
..और इस भंवर के बनते ही वो समुंद्री राक्षस गायब हो रहा है...
सररSSSSSS
उफ!पानी का दबाव बेहद अधिक है, मैं खुद को भंवर में खिंचने से नहीं रोक पा रहा।
ध्रुव को अपने भीतर समा कर भंवर ऐसे गायब हो गया जैसे कभी आया ही नहीं था!
नागराज और जलसर्प दैत्य की लड़ाई भी समुन्द्र के नीचे पहुंचने वाली थी।
यह मुझे वापस समुन्द्र में खींच कर ले जा रहा है। जलसर्पी जाल ने बुरी तरह मुझे जकड़ रखा है, मेरे सर्प सैनिक भी मेरी मदद के लिए बाहर नहीं आ सकते।

कुछ ही पलों में-
मैं इसके जलसर्प जाल से आजाद हो गया।
जलसर्प जाल में जकड़ जाने से मेरे शरीर में वास करने वाले सर्प सैनिक बाहर नहीं आ पा रहे थे...
...तो मैंने पहले से ही बाहर निकले हुए उन नागफनी सर्पों को जलसर्प जाल काटने के मानसिक निर्देश दे दिए जिन्होंने इस जलसर्प दैत्य पर वार किया था।
सायं-सर्ररर
यह दोबारा अपनी दुम का सहारा ले रहा है।
बहुत दुम चलता है यह, इसका सबसे बढ़िया इलाज है कि इसकी दुम उखाड़ कर इसके हाथ में दे दी जाए।
फच्चाक !!!
फूं ऽऽऽऽऽऽ

अरे! यह भंवर समुन्द्र तल से कैसे उठ रहा है? नहीं...यह प्राकृतिक भंवर नहीं है। शायद इसमें फंसाने के लिए ही यह जलसर्प दैत्य मुझे यहाँ लाया है।
स्वूश !!!!
पानी का वेग बेहद तेज है, पलक झपकते ही मैं इस भंवर में खिंचा जा रहा हूँ। ऐसा लगता है जैसे कि कोई अदृश्य शक्ति मुझे इसके भीतर खींच रही है।
खत्म हो गया शैतान, मैंने जितना सोचा था उससे ज्यादा आसानी से ही काबू में आ गया यह।
लेकिन महानगर में ये आफत आई कहाँ से?
नागराज भी एक रहस्यमयी भंवर की चपेट में आ चुका था, समुन्द्र एक बार फिर शांत था।
लेकिन उस शख्स के मन मस्तिष्क में अनगिनत तूफान उठ रहे थे।
दो जगह कामयाबी मिल गयी, अब सिर्फ बाकी है...

"...राजपुरी!"
गल्प ! अबे ये क्या हुआ बे !!!
मैं तो सपने में कैटरीना के साथ रेन डांस कर रहा था, ये सचमुच का पानी कहाँ से आ गया। बु हू हू टर्र!
मैं सपने में जॉन सीना को डब्लू. डबलू. ई. टाईटल के लिए हराने ही वाला था...सारे सपने पर पानी फिर गया।
पर ये तो बरसात का मौसम भी नहीं है फिर इतनी भयानक बाढ़ कैसे आ गयी।
ये बाद में सोचना पहले सामान सुरक्षित जगह पहुंचाना होगा वर्ना गटर के पानी में हमारा कीमती सामान खराब हो जायेगा।
अच्छा हुआ मैंने सभी विद्युत उपकरणों पर वॉटरप्रूफ लेमिनेशन कर दिया था वर्ना हमारा टी.वी. भी खराब हो जाता।
टोड निवास का सारा सामान सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के बाद।
टोड निवास का सारा सामान और कम्प्यूटर्र की प्रयोगशाला के सभी उपकरण मैंने और शूटर्र ने कब्रिस्तान के पीछे वाली भूतिया हवेली में छुपा दिए हैं, वहाँ कोई आता-जाता नहीं है इसलिए हमारा सामान वहाँ सुरक्षित रहेगा।
अब हमें चल कर बाढ़ के कारण का पता लगाना होगा। बाहर बरसात तो हो नहीं रही फिर आखिर गटर इतने उफान पर क्यों है।
पानी का बहाव तो गटर नम्बर16की ओर से आ रहा है जो कि आगे जा कर समुन्द्र में मिलता है।
हे टोड देव रक्षा कर! समुन्द्र में तूफान आया है और ये समुन्द्र की बाढ़ पूरे राजापुरी को बहाए ले जा रही है।
अबे मेरी भैंस बह गयी किसी ने देखी क्या!
ये काली मोटी सी चीज जिसके ऊपर तू बैठा तैर रहा है वो क्या है?
वो मेरी बीवी है साले!!

बू..हू..हू..हू..
लगता है तेरी भैंस तेरी प्यार की पुकार सुनकर आ गयी है।
बू..हू..
हू..हू..!
समुन्द्र सिर्फ बाढ़ का पानी ही नहीं लाया है फ्री गिफ्ट में कुछ और भी है यारों।
तो देर किस बात की है यारों।
टोड्स एक्शन!!
क्रेयाँSSSSS!!
अबे ड्रेगंस तो आग छोड़ते हैं, यह पानी कैसे छोड़ रहा है!

अबे पानी का ड्रैगन आग कैसे छोडेगा बे! यह सोच इससे लड़ें कैसे।
सरररर SSSSफुर्रSSSSS
पानी का फौवारा बहुत छोड़ चुका तू।
धड़ाक!
अब मास्टर का मुक्का खा कर खून का फौवारा निकलेगा तेरे हलक से!
आज कल मैं डोगा जी की कॉमिक्स पढ़ रहा हूँ, ऐसी धाँसू डाईलौग बाजी उन्हीं की कहानियों से सीखी हैं मैंने।
मास्टर की मार खा कर यह तो वापस समुन्द्र की ओर ही भाग रहा है
अचानक आये समुंद्री तूफान का इस ड्रैगन से जरूर कोई ना कोई सम्बन्ध है, आओ यारों, हमें भी इसके पीछे जाना होगा।
कटर की तलवार SSSS...(आजकल मैं भोकाल जी की कॉमिक्स पढ़ रहा हूँ, उनसे ही सीखे हैं ये डाईलौग मैंने।)
ठाक!
बीच समुन्द्र में आते ही यह फिर से हम पर हमला कर रहा है जैसे हमें यहाँ लाने के लिए इसने यह चाल चली हो।
इसकी सारी चालबाजी इसके साथ ही समुन्द्र में डुबो देगी...

गज्जब कटर!
तेरे वार से तो ये सुसरा सही में समुन्द्र के अंदर घुस गया।
हें..हें..हें..
अपना तो कुछ स्टाइल ही ऐसा है।
अबे ये क्या हो गया बे... टर्रररर...!!!
साले तेरे स्टाइल की तो बम्बूसा* ये ड्रैगन पानी में इसलिए गया था ताकि हमे भी भीतर खींच ले।
भला टोड्स का पानी में कोई क्या बिगाड़ लेगा...यहीं जी.एम. डी. कर देंगे।
गंदी बातें मत कर कटर वरना फिर डांट खायेगा...टर्रररर !
अबे गंदी बात नहीं है, जी.एम.डी. मतलब गजब मार धाड़ समझा !
अबे तो देख क्या रहे हो.. शुरू करो...
जी.एम.डी.
धून-धुनाई-मार-कटाई!!!
बम्बूसा : फाइटर टोड्स का ईजाद किया हुआ अपशब्द

लो जी, इसका तो हो गया गुड डे! टिन-टिन-टीनिन !
यह पानी में हलचल कैसी है ?
यह पेट की हलचल पानी में कैसे आ गयी?
अबे... अबे यह भंवर है बे ..टर्रररर....!!
ये भंवर कहाँ से आ गया..हम तो इसमें खिंचे जा रहे हैं यारों।
भंवर तो फूल पर होता है ना?
वो भंवरा होता है बे ! यहाँ तो हम ही फूल बन गए अंग्रेजी वाले।
कहीं दूर इस दृश्य को देख कर कोई खुशी से फूले नहीं समा रहा था..
सर्पजाती के सर्वशक्तिमान दिग्गज नागराज, मानव जाति के अग्रणी सुपर कमांडो ध्रुव और जलचरों में सर्वोपरी फाईटर टोड्स तीनों मेरे जाल में उलझ कर पहुँच चुके हैं उस दूसरे आयाम में जिसका नाम है...

"हम्मा-हम्मा समुन्द्र!"
क्या बात है साम्बा! यह चेंचड़ा क्यों पगला रहा है ?
समझ में नहीं आता सरदार कि जो बात चेंचड़ा बता रहा है वो बात खुश होने की है या दुखी होने की।
(फिर कमीने ने मुझे सरदार कहा) गुर्रररर तू बात बता, ताली बजानी है या गाली यह मुझ पर छोड़ दे।
बता बे चेंचड़े।
तीन महाप्रलयंकारी शक्तियां जिनमे से एक नाग शक्ति, एक मानव शक्ति और एक जलचर शक्ति है कुछ देर पूर्व ही इस आयाम में प्रविष्ट हुई हैं।
हुम्म! यह तो यकीनन तालियाँ बजाने वाली खबर है साम्बा।

पर सरदार आपको तो पता है ना कि क्या भविष्यवाणी हुई थी। यह तीनों महारथी मिलकर खजाना खोजने की कोशिश करेंगे और...
अबे भविष्यवाणी की तो गुर्रररर।
ओह! जब भी भविष्यवाणी की बात आती है सरदार हत्थे से उखड़ जाता है।
वो तीन महाशक्तियां ना तो इस मायावी आयाम और यहाँ की काली शक्तियों से परिचित हैं और ना ही हमारी शक्तियों से! हो सकता है...
...कि हमारे उनसे टकराने से पहले ही हम्मा-हम्मा आयाम की काली शक्तियां ही उन्हें खत्म कर दें, लेकिन अगर वे उन काली शक्तियों से बच भी गए तो भी खजाने तक कभी नहीं पहुँच पाएंगे, क्योंकि उनकी मौत फिर बेलमुंडा के हाथों होगी...
"...पाइरेट सेना को जागृत करो साम्बा!"
जागो सोए हुए साथियों ! हमारी आजादी का वक्त आ रहा है...जागो !!
हर्ररर....हूऽऽऽऽऽ....हूऊऽऽऽ!!

ये कौन सी जगह है यारों ?
हम मर कर स्वर्ग पहुँच गए क्या?
अबे तू हर बार यही एक सवाल क्यों पूछता है?
जरा आस पास नजर घुमाओ यारों, यह जगह जो भी हो स्वर्ग तो बिल्कुल नहीं है।
ये इतने सारे जंगली मोगली हमें घेर कर क्यों खड़े हुए हैं यारों ?
शायद इंतजार कर रहे थे कि हम होश में आयें और ये हमे खाएं।
अबे इनके परमपूज्य पिताजी की सरकार है क्या यहाँ जो खा जायेंगे हमें ? बम्बूसा कर दूँगा इनकी।
टोड्स एक्शन !!
टोदुल्ला... मारुल्ला ...हकड़...बकड़... हुल्ल...चुल्ल!
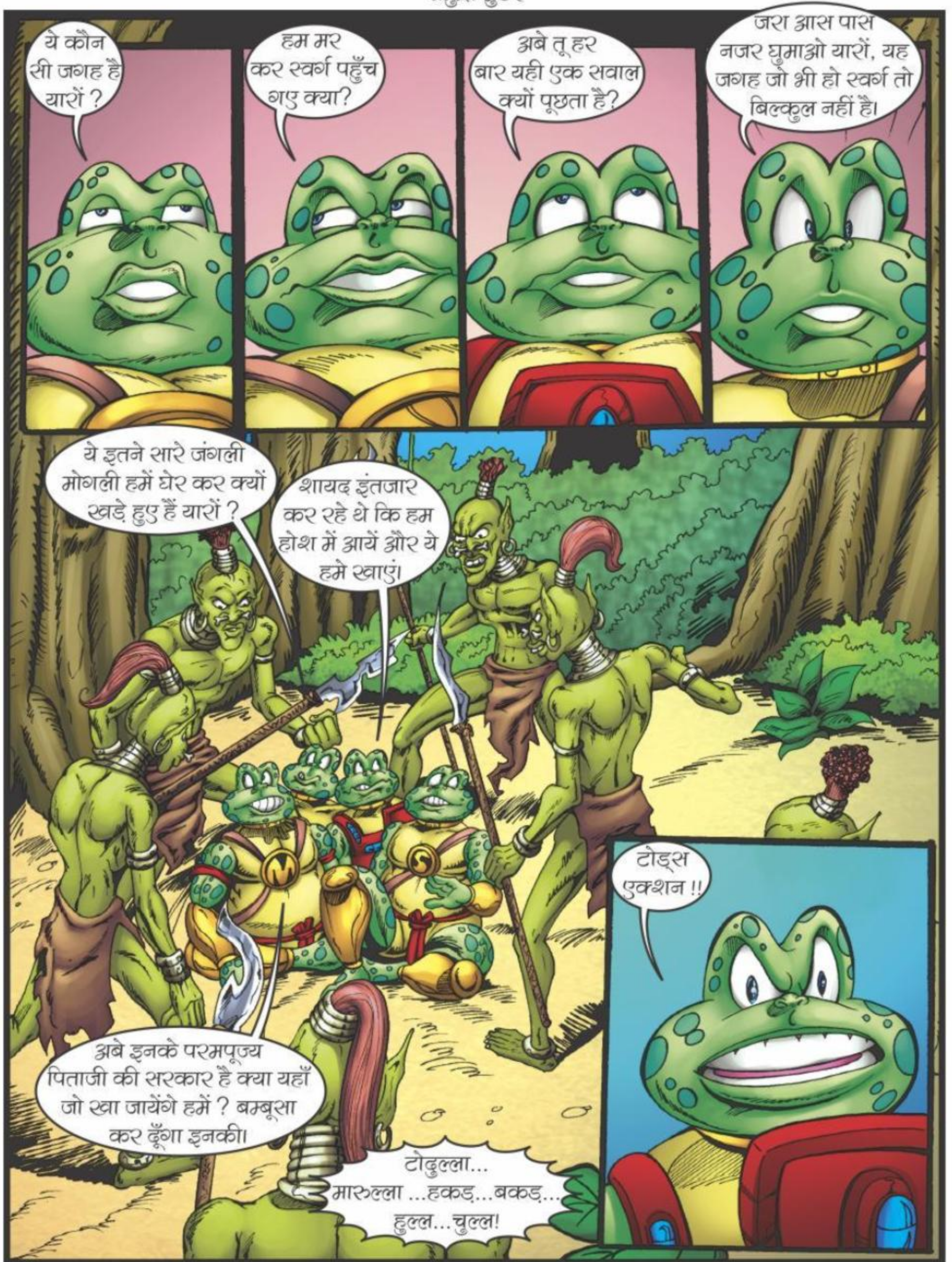
मरुल्ला-
मरुल्ला !!
बेहद फुर्तीले हैं यह तो कंगारुओं की तरह उछल-कूद कर के लड़ रहे हैं और हमारे वारों को छका रहे हैं।
साय-साय-सररररधड़ाक!!
अपनी शाओलिन की ट्रेनिंग कब काम आयेगी ऐसा समुराई कुंग-फू दिखायेंगे कि इन सबकी छुट्टी हो जायेगी!
जय टोड देव! जय गुरु भलाई मामा !!

अरे ! मार खा कर तो यह सारे कंगारुओं की तरह छलांग लगाते हुए, यहाँ के अजीबो-गरीब पेड़ और लताओं में छिप गए।
इन जंगलियों का रंग भी यहाँ की वनस्पति जैसा ही हरा है, इसलिए पता ही नहीं चल रहा कि वे कहाँ छिपे हुए हैं।
उफ ! सीधी लड़ाई में हमसे नहीं पार पा सके तो यह अब गुरिल्ला युद्ध कर रहे हैं।
अबे क्या बोल रहा है मास्टर, ये सारे तुझे किस एंगल से गुरिल्ले नजर आते हैं ?
तू समझा नहीं शूटर, गुरिल्ला युद्ध यानी छिप कर दुश्मन पर वार करने की कला...
...जिसमें छिप कर बिना दुश्मन के सामने पड़े...
धाड़-धाड़ सायं-सररर
....अचानक से वार करते हैं और दुश्मन के संभल पाने से पहले ही दोबारा छिप जाते हैं।
धू-धाड़ !!
अबे इनके गुरिल्ला युद्ध की ऐसी की तैसी! हम शाउलिन के समुराई लौंडे हैं।...
ये...तो चीटिंग है। चीटर चोर जंगलियों दम है तो कटर के सामने आ कर लड़ो !!
...अपनी सुनने और सूंघने की इन्द्रियों का प्रयोग करो यारों...
पत्तों की खडखडाहट किस दिशा से हो रही है इसका अंदाज लगाओ...
...फिर लताओं पर झूलते इन जंगलियों की गंध के अनुसार इनकी स्थिति का पता लगा कर...

...इनके खुद तक पहुँचने से पहले ही वार करो सालों पर।
धाड़-धड़ाक !!
हियाSSSS!!!
वो मारा पापड़ वाले को! ही..ही..ही..भई मैं तो आजकल बांकेलाल ही पढ़ रहा हूँ।
अबे! ही ही ही कम करो बार बार सुनने में अच्छी नहीं लगती!
जरा मुंडी उचकाओ यारों।
अबे ये तो पूरी फौज बसी हुई है पेड़ों पर टर्रर्रर्र !!!
ये होल-सेल में सांप कहाँ से आ रहे हैं, इनसे डर कर तो सारे जंगली डुबकी लगा रहे हैं।
यारो, जहाँ तक मैं जानता हूँ जहाँ होते हैं सांप, वहाँ होते हैं...

नागराज जी! और साथ में ध्रुव जी भी !!!
हैलो फाईटर टोड्स।
लेकिन आप लोग यहाँ कैसे आ गए और ये जगह है कौन सी ?
मेरी सर्पइन्द्रियां बता रही हैं कि हम किसी दूसरे आयाम में पहुँच गए हैं।
मुझे पता है। मैंने फुंकार, अवशेष, चुनौती और हेड्रोन सभी पढ़ी हैं। आप दोनों से ज्यादा आयाम यात्रा का एक्सपीरिएंस किसी को नहीं है।
यानी हम अपनी दुनिया में जब उस भंवर में फसे तो उस भंवर ने हमे इस दूसरे आयाम में ला पटका।
आयं ! मुझे व्यायाम तो पता था पर ये आयाम क्या होता है नागराज जी ?
इतना भी नहीं जानता बुद्धू! आम खा कर व्यायाम करने को आयाम कहते हैं।
बिल्कुल ! मैं और नागराज भी ठीक उसी प्रकार इस आयाम में आये हैं जैसे की तुम चारों...
इस ब्रह्मांड पर एक ही समय में एक ही स्थान पर कई अलग-अलग दुनियां बसती हैं टोड्स जो कि आपस में ना कभी मिल सकती हैं, ना ही कभी इनमे बसने वाले प्राणी अपनी दुनिया से दूसरी दुनिया में जा सकते हैं। यही आयाम कहलाते हैं।
इसका मतलब साफ है, कोई जानबूझ कर हमें यहाँ भेजने के लिए चाल चल रहा था।
एक बार पता चल जाए कि ये किसका काम है, मम्मी कसम...
गंदी बात शूटर! अच्छे बच्चे कसम नहीं खाते, ये बुरी आदत होती है।
पर हर आयाम दूसरे आयाम के साथ किसी ना किसी रूप से जुड़ा होता है, यही जुड़ाव वो कुंजी है जिसे यदि किसी शक्ति से खोला जा सके तो एक आयाम से दूसरे आयाम में जाया जा सकता है,पर ऐसा करना बेहद घातक होता है...सिर्फ आयाम यात्रा करने वाले के लिए नहीं अपितु पूरी सृष्टि के लिए।
सुना गंदे बच्चे! मेरी तलवार ले लो ध्रुव जी और उसे डंडा बना कर इसकी पुक्की पर पिटाई लगाओ, मम्मी भी यही करती हैं इसके साथ।

सौरी नागराज जी ! सौरी ध्रुव जी ! अब मैं कसम नहीं खाऊंगा, पर ये कटर्र का बच्चा अपने आप को आप लोगों के सामने बड़ा अच्छा दिखा रहा है हमेशा धर्मेन्द्र जी के स्टाइल में "कसम पैदा करने वाले की" बोलता रहता है, पहले इसकी पुक्की पर पिटाई लगाओ।

ये 'पुक्की' क्या होती है भई ?

अगर पूछ लिया तो फिर इनकी टर्र-टर्र शुरू हो जायेगी।

भाग बलमा पोपट !! आज तेरी दुम की इज्जत का सवाल है...टायं-टायं !!

यूँ किऽऽऽ ये कौन बोला ?

धाड़!!

पर्वतों से आज मैं टकरा गया..टायं-टायं... अबे अपुन के रस्ते में पहाड़ कौन खड़ा कियेला है बाप!

ये तो तोता है..इंसानी भाषा बोलता तोता।

तुम हरे-पीले भीडू कौन हो बाप...इधर कहाँ से आइले हो?

पहले तू बता कि तू कौन है?

अपुन..अपुन पोपट ! अबे भीडू अपुन का नाम है बलमा पोपट!

वो तो दिख रहा है पर तू है कौन ??

तुम भाग क्यों रहे थे ?

अबे याद आ गएला बाप !! इस हरे हैंडसम से टकरा के तो अपुन का गजनी हो गएला था. अपुन भाग रेला है, तुम लोग भी भागो क्योंकि 'वो' आ रेले हैं...टायं-टायं !!

शायद ये उन जंगलियों से डर कर भाग रहा था।

नागराज जी ठीक कह रहे हैं, देखो जंगलियों की फौज इसी ओर आ रही है।

ढ्ढूका...भागूका.... भभूका !!

एक्शन के लिए तैयार हो जाओ यारों।

अरे ये सब तो हमे पार कर के भाग गए, यानी ये हम पर हमला करने नहीं आ रहे थे, बल्कि ये किसी से डर कर भाग रहे थे।
धागद-धागद !!
सही कहा ध्रुव, उधर देखो...
भभूकाऽऽऽ.... प्यार का भूखा! भभूकाऽऽऽ।
ओह ! क्या बला है ये?
भभूका... प्यार का भूखा ?
मुझे तो हम सब की जान का भूखा लगता है।
टोड्स एक्शन !
भभूका... को मारा...भभूका मारेगा।
धाड़-धाड़!!!
धाड़-धाड़!!!
आओ ध्रुव ! इस राक्षस से टोड्स अकेले नहीं निपट पाएंगे हमें उनकी मदद करनी होगी।

वाह ! नागराज जी भी आ गए हमारे साथ फाईट में, अब आएगा मजा।
सारी भूख मिटा देंगे इस भभूका की।
इसे सर्प रस्सी के जाल में बाँध कर जमीन पर गिराना होगा। एक बार ये नीचे गिर गया तो इसे काबू करना आसान होगा।
भभूका... प्यार का भूखा... भभूका को मारा.. भभूका मारेगा।
भभूका गुस्सा...भभूका मारेगा !!!
ओह ! गुस्साए भभूका ने तो सर्प रस्सी के जाल को मैगी नूडल्स की तरह बिखेर दिया।
धाड़-धड़ाक !!!!
ऊफ!! हजारों हाथियों का बल है इस भभूका के वार में तो।
हाय !! लगता है जैसे पचास मंजिला इमारत हमारे सिर पर आ गिरी हो। टर्रर्रर....

भभूका कुचलेगा...!!
नहीं ! इधर सुनो प्यारे भभूका!
ध्रुव जी को जरूर कोई जादू आता है, इतने भयानक राक्षस को इतनी आसानी से काबू कर लिया।
शाबाश ! इधर आओ प्यारे भभूका।
भभूका ...प्यार का भूखा।
इस जादू को प्यार कहते हैं टोड्स।
सही कहा नागराज, ये बेचारा तब से बोल रहा था भभूका प्यार का भूखा इसका रूप देख कर मैं समझ गया कि यह भेंडे का ही अतिविशालकाय रूप है इसी से मैंने ये अंदाजा लगाया कि यह शाकाहारी होगा।
इसके इस रूप के कारण जंगली इससे घबराते थे और इस पर हमला कर देते थे...
...जिससे कुपित होकर यह उन पर वार करता था। असल में तो ये बेचारा सिर्फ किसी का साथ और प्यार चाहता था।
ठीक कहा ध्रुव जी, ये भभूका तो सचमुच प्यार का ही भूखा है।
ओह ! अचानक यह पूरा टापू सूखे पत्ते की तरह क्यों कांपने लगा।
गड़-गड-गड़-गड !!
अरे भीडू लोग, तुम क्या इस प्यार के भूखे के साथ दोस्ताना-दोस्ताना खेल रेले हो, पूरा टापू डूब रेला है भागो।

वो देखो, किनारे पर जहाज खड़ेला है, फटा-फट चढ़ जाओ उसिच में।
लेकिन भभूका और उन जंगलियों का क्या होगा।
अगर टापू डूबा तो वो बेचारे भी मारे जायेंगे।
ऐसा नहीं होगा टोड्स, ये सब भी हमारे साथ ही चलेंगे।
कैसे?
भभूका...मिला प्यार खूब सा...भभूका
ऐसे!
थैंकुल्ला...बचुल्ला...नागुल्ला...गबाद..पधाद!
WOW NAGRAJ JI, YOU ARE SO SMART
आपने भभूका के लिए सर्प रस्सी से बनी नौका तैयार कर दी जो कि इस जहाज से जुड़ी है।
और अपने सर्प सैनिकों को आदेश देकर इन सारे जंगली मोगलियों को भी चढ़ा लिया जहाज पर।
देखिये, ये सभी आपको अपने स्टाइल में थैंक्यू बोल रहे हैं।

पूरा टापू समुन्द्र के भीतर जलमग्न हो रहा है।
टापू के डूबने के साथ ही... ...भभूका और जंगलियों की टोली भी वायुविलीन हो गयी।
आयं! ये क्या जादू है।
सही बोला भीडू...ये जादुइच है... काला जादू।
इस आयाम के बारे में अब हमे अगर कोई जानकारी दे सकता है तो वो तुम हो बलमा पोपट, बोलना शुरू करो फटाफट।
धरती पर अपने PERSONAL आयाम में...
ससुरा कैप्टन अड्बडंगा फ्रॉम दरभंगा का किस्मते खराब है जो तुम आतंकवादीयन के जहजवा का कैप्टन बना! ध्रुव से तो पीछा छुड़ाई के भाग लिए पर समुंद्री तूफानवा घेर लिया हमको।
समुंद्री तूफान से उठती लहरें शिप के डेक पर मैराथन दौड रहे केंकड़ा मानवों को सराबोर कर गयीं।
वई-वई ये क्या होती, केंकडे में से आदमी निकलती।
अबे! ई चारों वही हैं जो केंकड़ा बन कर तुमका दौड़ावत रहीं।
कैप्टन ठीक बोलटा, ये चारों हमको उल्लू बनाटा।
केंकड़ों से पीछा छूटा तो आतंकवादियों ने घेर लिया। अब तो उसका ही सहारा है जिसने अब तक बचाया है।
कौन? कहानी का राइटर?
नहीं बे ! ऊपर वाला।

वई-वई ये तो जासूस हैं, केंकड़ा बन के हम को भगाती थी, अब हम इनका छोटा-छोटा टुकड़ा कर के केंकड़ों को खिलाएगी।
अइयो हम तो बोलता है अन्ना इनको काट के समुन्द्र की मछलियों को खिला देते हैं, साम्भर चटनी के साथ।
अबे चपरकनातियों! तनिक समुन्द्रवा की ओर देखो रे।
शिप पर मौजूद सभी पुण्यात्माओं के कुत्ते सामूहिक रूप से फेल हुए।
बचाओ-बचाओ!
गईल भैंसिया पानी में।
वई-वई, हमारा अंतिम समय आती सब एक साथ मिल कर चिल्लाओ...
य..य..ये...कौन होटा मैन...स..सी...मॉन्स्टर का पापा है क्या ?
इस पूरे समुन्द्र का बाप हूँ मैं...नाम है कैप्टन कैटरपिल्लर।
हमसे क्या चाहत हो कप्तान कनखजूरा जी, ई शिपवा का कप्तान हम हूँ, तुम हमार नौकरी छीनने आये हो का...हम नहीं दूँगा।

मैं तुम सबकी जिंदगियां छीनने आया हूँ।
वई-वई...जिंदगी मत छीनो बिरादर, जिंदगी ना मिलेगी दोबारा।
अइयो तुम कोई नया सुपर हीरो है क्या? आतंकवादीहर्ता कनखजूरा?
नहीं...मैं नया सुपर विलेन हूँ, सारी पृथ्वी को समुन्द्र में डूबा कर मानवों का सर्वनाश कर दूँगा मैं।
कैटरपिल्लर अन्ना, हम भी तुम्हारी तरह धरती को समुन्द्र में डुबोना चाहता...रवा डोसा की कसम।
हमारे पास डूबेनियम नामक ऐसा बम है जो पानी के नीचे ब्लास्ट कर के पूरी दुनिया में सुनामी ला सकता है!
हुम्म! तुम तीनों नमूने तो काम के आदमी लगते हो।
ये क्या हो रहा है डूडल्स, कहानी का मेन फोकस एक बार फिर हम चारों के ऊपर से सरक रहा है।
हमेशा की तरह फिर से हम पर किसी का ध्यान नहीं है, यही मौका है दुनिया को बचा कर सुपर हीरोज की फेहरिस्त में डूडल्स का नाम अमर करने का।
अभी इस शिप पर छुपे रहने में ही हमारी भलाई है, मौका मिलते ही हम पीछे से इन सब पर वार करेंगे। अभी वापस केंकड़ों के पीपे में चल कर छुपते हैं डूडल्स।
स्वर्ण नगरी में अपनी वेद्शाला में प्रवेश करते ही चौंक पड़ी थी शिल्पात्री..
हे देव! ये..ये..नहीं हो सकता,मुझे फौरन धनंजय और महात्मज को सूचित करना होगा।

जो कुछ भी तुमने कहा है अगर वो सच है तो सचमुच पृथ्वी पर प्रलय आने वाली है शिल्पात्री।
मुझे तो यह नहीं समझ आ रहा कि हजारों वर्षों बाद ये आयाम द्वार खुला कैसे? किसने खोला इसे ?
ना सिर्फ आयाम द्वार खोला गया है बल्कि तीन महा-शक्तियों को 'हम्मा-हम्मा आयाम' में भेजा भी गया है।
जरूर इसके पीछे काले जादू की शक्तियों का ही हाथ है।
नागशक्ति यानी नागराज, मानव शक्ति यानी ध्रुव और जलचर शक्ति यानी...
फाईटर टोड्स!...मतलब साफ है धनंजय, भविष्यवाणी सच हो रही है।

"....ये सिर्फ उन तीन महाशक्तियों पर निर्भर करता है।"
बेशक शिल्पात्री, भविष्यवाणी सच हो रही है, अब आने वाले समय में समुन्द्र की काली जादुई शक्तियों का विनाश होता है या मानव जाति का...
तुम ही हमें इस जहाज पर लेकर आये थे, हम सब इस आयाम से अनजान हैं पर तुम नहीं।
इस जहाज पर ना कोई जहाजी है ना ही कोई कप्तान...
...जैसे ही हम इस जहाज पर सवार हुए ये अपने आप ही चल पड़ा अपनी दिशा का निर्धारण भी ये खुद ही कर रहा है। यहाँ क्या खेल चल रहा है फटा-फट बकना शुरू कर दे पोपट।
...अपुन सब बताता है बाप कि यहाँ क्या नाटक चल रेला है।
इस आयाम को 'हम्मा-हम्मा आयाम' कहते हैं,...
हजारों साल पहले यहां दो अति-बर्बर समुंद्री लुटेरों की सेनाओं को शापित कर के कैद कर दिया गया था, इस आयाम में समुन्द्र और सात टापुओं के अलावा कुछ भी नहीं है, और यहाँ पर राज करती हैं काले जादू की शक्तियां।
हमें यहाँ किसने भेजा है ?
ये तो अपुन को मालूम नहीं बाप, पण इस शापित आयाम से बची हुई कोई शक्ति ही ऐसा कर सकती है।
...और शाप तोड़ने के लिए ही ऐसा किया गया है।
कैसा श्राप?
तभी-
ओह ! ये जहाज हवा की विपरीत दिशा में क्यों मुड़ रहा है।
अगर ये जहाज जादू के बजाय कोई आदमी चला रहा होता तो उसके सिर के बाल उखाड़ कर दुम बना देता उसकी...टर्रररर...!
हे भगवान! सूरज डूब गएला है, ये जहाज अब दूसरे टापू की ओर मुड़ गएला है!
अपुन तो अपने कानों में पर ठूस रेला है अगर तुम लोग भी जिन्दा बचना चाहते हो तो कान का छेद बंद कर लो बाप, क्योंकि रात होते ही निकलेंगी....

...जलपरियाँ, जिनका गाना किसी को भी सम्मोहन में बाँध कर अपनी ओर खींच सकता है,...
...और जैसे ही इनके सम्मोहन में बंधा भीड़ू इनके पास जाता है ये उसे जकड़ कर कच्चा खा जाती हैं।
आजा रेऽऽऽ ऽ....आजा रे ओ मेरे दिलबर आ जा...दिल (तेरे खून) की प्यास बुझा जा रेऽऽऽ...!
मैं काफी सारी रुई अपने बेल्ट के पाउच में रखता हूँ...
...पिटने के बाद कहानी के क्लाइमैक्स में विलेन जब लंबी-लंबी कहानी सुनाते हैं तब ये बहुत काम आती है।
लो टोड्स तुम चारों भी...हे भगवान! देर हो गयी।
इन्होने तो सुन लिया गाना।
हो गया बंटाधार ...अब जलपरियों के डिनर बनेंगे ये चार!
मैं तो कबसे खड़ी इस पारऽऽऽ.....कि अखियाँ थक गई पंथ निहार..ऽऽऽ..!
प्यार का दिल में मुर्गा बोले कुकड़ू कू...ऽऽऽ... आई लव यूऽऽऽ...!!!
जब भी कोई जलपरी देखूं मेरा दिल दीवाना बोलेऽऽऽ..ओले.. ओले..ओलेऽऽऽ..!
आंख मारे ओ जलपरी आंख मारेऽऽऽ....सीटी बजाये, बीच टापू पर कर के इशारेऽऽऽ... जलपरी आँख मारे !!
ऊंची हैं लहरेंऽऽऽ...शिप मेरी बंद हैऽऽऽ...कैसे मैं आऊं... दिल रजामंद है..ऽऽऽ!

आजा आजाऽऽ..राजा बैंड बाजा लेके आजा...तेरी याद सताए टोडू राजा अब तो आजाऽऽ...!!
हम आ रहे हैं प्यारी परियोंऽऽ..!
रुक जाओ टोड्स! जलपरियों के गाने ने तुम्हें सम्मोहित कर दिया है, तुम उनके पास नहीं जा सकते।
दुश्मन है जमाना ठेंगे से.....हमें अपने सच्चे प्यार के पास जाने से कोई नहीं रोक सकता।
हम प्यार करने वाले..दुनिया से ना डरने वाले..प्यार से जलने वालों को जलाएंगे...
ये दोनों हमारे प्यार के रास्ते की दीवार बन रहे हैं मेरे बांके मजनुओं। गिरा दो इस दीवार को। आज होगा मजनू एक्शन!
नागराज, ध्रुव बने प्यार के दुश्मन हाय हाय...
ये ऐसे नहीं मानने वाले इन्हें बल प्रयोग कर के ही रोकना होगा।
होश में आओ फाईटर टोड्स, ऐसी हरकतें तुम्हें शोभा नहीं देतीं!
दिमाग फिर गया है तुम चारों का,लेकिन हम भी तुम्हें जलपरियों के पास नहीं जाने देंगे।
ये शोभा कौन है? क्या किसी जलपरी का नाम है?
वाह जी वाह, आप और नागराज जी अपनी हर कहानी में नई-नई स्त्री जी के साथ फ्लर्ट करें तो आपका हक...
और हम सच्चा प्यार भी करें तो WHAT THE...झक!
SHUT UP!!!
धाड़-धड़ाक!
अबे बावलों,आपस में लड़ना छोड़ो, जहाज जलपरी टापू की ओर ही बढ़ रेला है, जैसे ही अपुन लोग टापू के करीब पहुचेंगे, ये जलपरियाँ हमपर हमला कर देंगी। मैं तो कहता हूँ जाने दो इन बावले मेंढकों को उन जलपरियों के पास, हसीनाओं का निवाला बन कर जन्नत मिलेगी इनको।
टायं-टायं बंद कर बलमा!!

मैं जितने भी सर्प सैनिक निकाल रहा हूँ कटर्र फुर्ती से उन्हें काट रहा है...
...और शूटर्र की बाण वर्षा मुझे सँभलने का मौका नहीं दे रही।
काट डालूँगा सांपो को टर्रर्रर्र !!
सायं-सर्र शक्क-शक्क!!
बाण चला-चला के महाभारत वाले भीष्म पितामह बना दूँगा।
मार्शल आर्ट्स की हर तकनीक के महारथी हैं ये दोनों तो, इनसे निपट पाना वाकई मुश्किल है।
ठाक-ठाक।
धाड़-धड़ाक।
इनपर हल्की विष फुंकार का प्रयोग करना होगा जो इन्हें बेहोश कर दे।
हम समुराई टोड्स हैं नागराज जी, जो एक बार अपने फेफड़ों में सांस भर लें तो घंटो तक बिना सांस लिए रह सकते हैं।
हमने अपनी सांस रोक ली है, आप की विष फुंकार हमें कोई नुक्सान नहीं पहुँचाने वाली।

इन दोनों से पार पाने के लिए मुझे अपने शरीर को अतिरिक्त गति देनी होगी!
ही..ही..ही..बड़ा लट्टू बने घूम रहे हैं ध्रुव जी, कम्प्यूटर्र जरा इन्हें ब्रेक तो लगा।
अभी ले मास्टर्र।
धड़ाक!
ऊफ! ये तो उम्मीद से ज्यादा चालाक और चपल हैं।
अब क्या करें ध्रुव, हम इन पर घातक वार कर नहीं सकते और जलपरियों के सम्मोहन में बंध कर ये हमारी जान लेने पर उतारू हैं।
हंटर की तरह चलती कटर्र की जबान कुछ सोचने समझने का मौका ही नहीं दे रही।
सड़ाक-सड़ाक!
धड़ाक!
तड़ाक!
हमें इनका सम्मोहन तोड़ना होगा! मेरे पास एक प्लान है, सुनो...
शाबाश कटर्र! बाकी का काम मेरे घूँसा बाण करेंगे।
ध्रुव के आइडिया ने दोनों को भिड़ने की नई शक्ति दे दी-
मारो नागराज, संभलने का मौका मत दो इन्हें।
बिल्कुल नहीं, राउंड वन ये जीत गए पर फाइनल राउंड में 'हम होंगे कामयाब'!
आल द बेस्ट!
टर्रररर ....!

अगर तुम दोनों को हरा ना सके तो 'धिक्कार' है हमारे 'अमरप्रेम' पर।
शाबाश मास्टर तू इनको...
...फाईट में उलझाए रख, उतनी देर में...
मैं यह तिरपाल खोल कर इनके ऊपर गिरा दूँगा..
उफ!
और इनके संभल पाने से पहले ही हम तिरपाल में लपेट कर मस्तूल की रस्सी से इनकी मुश्कें कस देंगे।
टर्रर्रर्रऽऽऽ
नई-नई शक्तियां मिल जाने से ज्यादा मत इतराओ नागराज जी, याद रखो परिंदा चाहे कितना भी हवा में पर फड़फड़ा ले...
धड़ाक!

सर्ररररर-सर्रर्रर्र

...असली धनुर्धर उड़ती चिड़िया की आँख पर भी निशाना लगा सकता है।

उफ!

प्यार के दुश्मनों को प्यार के दीवानों ने मजा चखा दिया, अब आओ मजनुओं लैलाएं पुकार रही हैं।

आइये...आ जाइये...आ ही जाइए..यूँ ना टर्र-टर्र कर के हमें..तरसाइए...!

अपनी मुहब्बत के पास आने में जरा भी देर नहीं की मॉडर्न मजनुओं ने।

आये तेरे दर पर दीवानेSSS...

आओ बांके छैलों, तुम्हारी ही तो प्रतीक्षा थी हमें..

...अपनी भूख मिटाने के लिए...ही.. ही..ही..ही!!

टर्रररर..अबे ये क्या हो गया...यश चोपड़ा की मोहब्बतें राम गोपाल वर्मा की आग कैसे बन गयी!

तेरी गलियों में ना रखेंगे कदम..आज के बाद...!!

अबे पहले निकल तो ले इनकी गलियों और जुल्फों के जाल से।

बड़ी गजब की भूख लगीऽऽऽ....मेंढक चाहिए हमें अभीऽऽऽ...!!
फाईटर टोड्स का सम्मोहन भी उनके प्यार के पंछी की तरह ही फुर्र हो चुका था।
हमसे बहुत बड़ी गलती हो गयी यारों! इन चुड़ैलों के सम्मोहन में फंस कर हम लोगों ने नागराज जी और ध्रुव जी पर प्रहार किया।
हमने जो भूल की है उसका प्राश्चित हमारी मौत से होगा।
कर चले हम फिदा जानों तन साथियों...
अरे थोड़ा रुक जाओगे तो तेरा क्या जाएगाऽऽऽ.....दुनिया साथ बचायेंगे तो मजा आ जाएगाऽऽऽ...
नागराज जी, ध्रुव जी आप लोग आ गए! पर आप लोग हमारी कैद से छूटे कैसे ?
पच्चीस साल का तजुर्बा हो गया है हम लोगों को कैद से छूटने का।

ध्रुव का आइडिया यही था कि तुम्हें लड़ाई में जीतने दिया जाए ताकि तुम्हारा ध्यान हम दोनों की ओर से हटे,जैसे ही तुम लोग पानी में कूदे मेरे सर्प सैनिकों ने हमारे बंधन खोल दिए।
और बलमा से हमे पता चल गया कि जलपरियों का सम्मोहन तभी टूटेगा जब ये अपने वास्तविक रूप में आएँगी।
पर इन शैतान की खालाओं से निपटें कैसे, ये तो अपनी और साथिनों को बुलाती जा रही हैं।
क्रियाऽऽऽऽऽ!
इनसे बचने का एक ही तरीका है भीड़ू लोग, इस टापू पर 'बावले का बम्बू' नामक एक पेड़ है,जिसका बांस छील कर बाँसुरी बना कर बजाने से ही ये जलपरियाँ शांत होंगी, पण एक बात..
बात बाद में करना बलमा, फाईटर टोड्स तुम लोग बलमा के साथ जा कर उस पेड़ को तलाशो, तब तक मैं और नागराज इन जलपरियों को संभालते हैं।
चलो टोड्स पोपट के पीछे-पीछे।
यार ध्रुव तेरे साथ ये बड़ी प्रॉब्लम है कि तू लड़कियों पर हाथ नहीं उठाता, अब इन सबसे मुझ अकेले को ही निपटना होगा।
मुझे भला इनपर हाथ उठाने की क्या जरूरत है, इनसे लड़ने के लिए मेरे साथ 'नागराज है ना'।

मेरे सर्प सैनिकों की तो कोई इज्जत ही नहीं रह गयी है, आजकल हर वैम्प-विलेन उन्हें खाने में ही लगा रहता है।
विष फुंकार भी छोड़ कर देख ले भाई!
अब तो इसका ही सहारा है, पर कितनी छोड़ूं, तुम भी तो हो यहां।
मैं तो अपना काम ऐसे ही चला लूँगा भाई।

फाईटर टोड्स बलमा पोपट के साथ टापू की खाक छान रहे थे।
कहाँ मिलेगा बावले का बम्बू ? हम उसे पहचानेंगे कैसे ?
उसकी चिंता मत करो भीडू लोग, बावले का बम्बू तो देखते ही समझ में आ जायेगा,...
...पण एक बात अपुन तबसे तुम लोग को बताने की कोशिश कर रेला है..कि...
अभी नहीं बलमा, अभी बम्बू खोजने पे ध्यान दो, बात बाद में बताना।
परन्तु ज्यादा आगे नहीं बढ़ सके फाईटर टोड्स
बू..हू..हू..हू...अब ये क्या बलाएँ हैं।
यह 'बावले के बम्बू' के रक्षक भेड़िये हैं, अव्वल तो जलपरियों से बच कर इस टापू पर कोई आता नहीं, और अगर कोई आ भी गया तो इनसे तो बिल्कुल भी नहीं बचता।
अबे तो ये बात पहले क्यों नहीं बताई...तोते के अवतार वाले उल्लू!
अबे तबसे यही तो बताने की कोशिश कर रेला था मैं, मेंढक के अवतार वाले गधों, पर तुम लोग सुनो तब ना!
धपाक-धपाक!!
हर्रररर...घर्रररर

टोड्स एक्शन!
नागराज जी और ध्रुव जी को बचाने के लिए हम इन भेड़ियों से क्या कोबी-भेड़िया से भी लड़ सकते हैं।
सही है बाप, तुम लोग फाईट सीन निपटाओ अपुन यहाँ ऊंची डाल पर बैठ कर इसका मजा लेता है, कम से कम यहाँ तो कोई भेड़िया नहीं पंहुचेगा.. ही..ही..ही..टायं-टायं!
बाप अपुन को अपनी दुम पर गरम हवा का झोंका काई-कूँ फील हो रेला है?
अबे बाप! ये यमदूत अपुन के पीछे कहाँ से पड़ गएला...अबे मेंढकों बचाओ बे...अपुन को कुछ हो गया तो तुम लोग अपुन को बहुत मिस करेगा बाप।
घर्र...!
हमें गधा बोल रहा था, हम नहीं होते तो तुझे कल सुबह किसी पेड़ की खाद बना चुका होता ये भेड़िया।
अरे बाप! तुम लोग नहीं होते तो ये नौबत ही नहीं आती।
क्याओ!
मास्टर्र और भेड़ियों में बराबर की टक्कर चल रही थी...
धाड़-धाड़!

धड़ाक!
झाड़ियों के पार मास्टर्र पर एक और मुसीबत टूट पड़ी।
टर्रर्रर्र.... अबे ये क्या है बे...?
धड़ाक-तड़ाक!!
ये सारे बम्बू बावले क्यों हुए जा रहे हैं....बावले ...अबे मिल गया, यही तो है बावले का बम्बू!
पर इन तक पहुंचू कैसे..
मास्टर्र ने बावले का बम्बू खोज निकाला।
शाबाश याडी.. तोड ले एक बांस इसमें से।
अबे! अभी तो यही मुझे तोड़ रहे हैं।

लेकिन मास्टर का एक पोल वॉल्ट इन सैकड़ों बम्बुओं पर भारी पड़ेगा।
ठाक-ठाक!
और गुरु भलाई मामा के इस दिव्य नान-चाक का सामना नहीं कर सकेंगे ये बम्बू।
ठाक-ठाक!
तड़ाक!
याहू....मिल गया बावले के बम्बू का बांस।

ले कटर्र, तू इसे अपनी तलवार से छील कर बाँसुरी बना, हम इन भेड़ियों को संभालते हैं।
ये सारा काम हमें टापू के किनारे वापस लौटते हुए करना होगा, जाने नागराज जी और ध्रुव जी जलपरियों को अब तक कैसे रोक रहे होंगे।
तुमने तो कमाल कर दिया ध्रुव, जलपरियों को एक-दूसरे के बालों के जाल में उलझा दिया जिससे ये खुद ही नहीं छूट पा रही हैं।
और बाकी बची परियों पर तुम्हारी विष फुंकार काम आ गयी, चलो ये मुसीबत तो आसानी से निपट गयी..
क्रेयाँऽऽऽऽ.....!
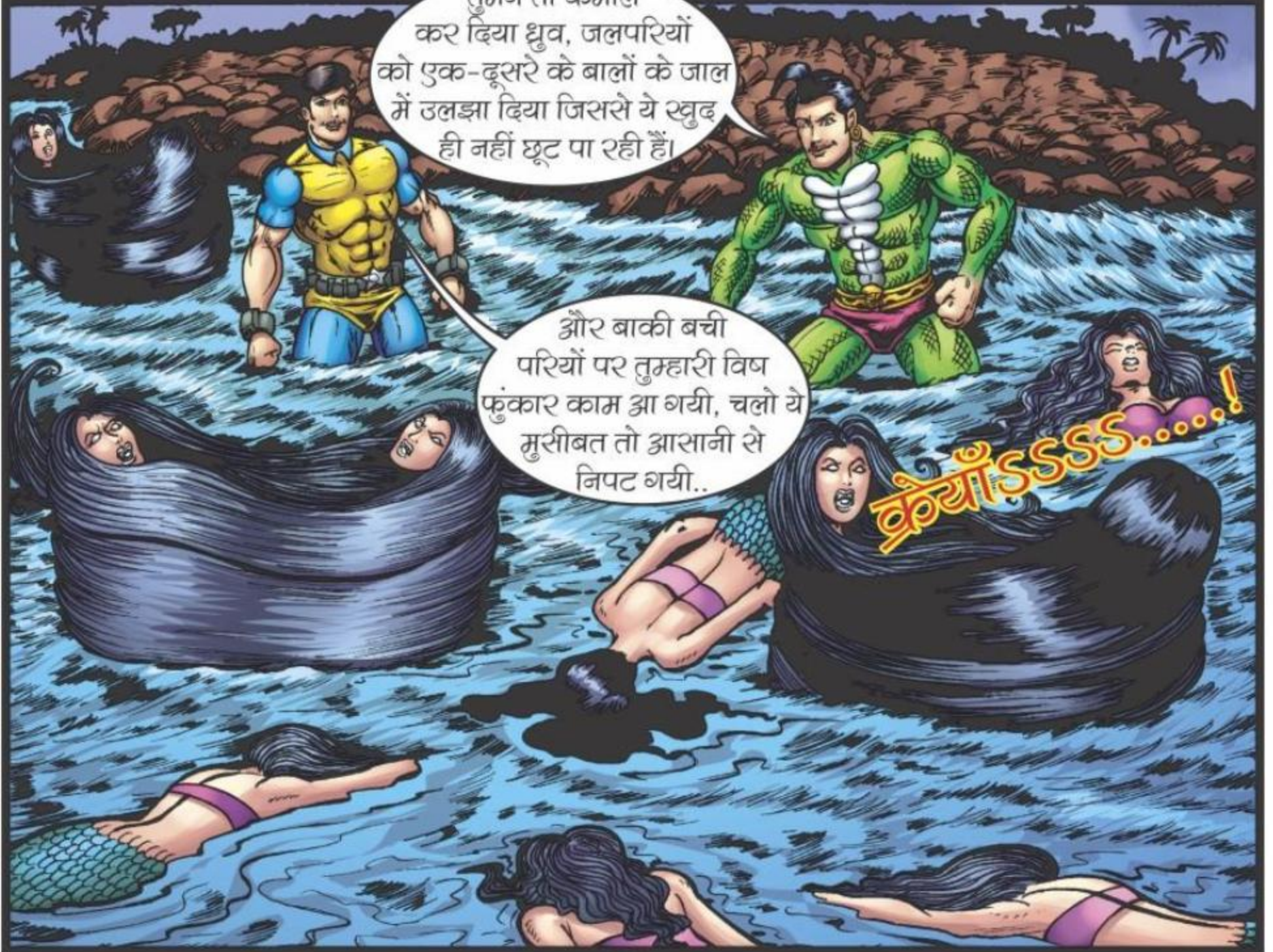
...इतनी आसानी से नहीं!
इनकी तो पूरी सेना निकल रही है समुन्द्र से।
श्वेता ठीक ही कहती है, ऐसे औरतें भले ही आपस में कितना भी लड़ लें पर एक भी मुसीबत में हो तो सब साथ आ खड़ी होती हैं।
नागराज जी..ध्रुव जी, घबराइए मत हम बाँसुरी लेकर आ रहे हैं।
शूटर बजा!
पैऽऽऽ ...पींऽऽऽ... पोंऽऽऽऽ
अबे क्या बजा रेला है, बाकी बची जलपरियाँ भी इसे सुन कर आ जाएँगी तेरा गला दबाने।
शूटर बाँसुरी ध्रुव जी की ओर उछाल, राज कॉमिक्स के असली रास रचैया बंसी बजैया यही हैं।

'मुरली वाले' की मुरली ने अपना जादू चला दिया।
बोला था ना अल्टीमेट लवर बॉय ध्रुव जी ही हैं।
जलपरियाँ वापस से अपने सुंदर रूप में आई हुई मंत्रमुग्ध सी बाँसुरी सुन रही हैं।
खूंखार भेड़िये भी पालतू टॉमी बन गए हैं।

भभूका और जंगलियों की तरह ही जलपरियाँ और भेड़िये भी गायब हो रहे हैं।
चलो भीड़ू लोग, फटा फट चढ़ जाओ जहाज पर, यहाँ का काम निपट गया।
ये टापू भी डूब गया।
अब ये जहाज कहाँ ले जा रहा है हमें?
तीसरे टापू की ओर।
तीसरा टापू?

हाँ भीडू लोग, ये जहाज तुम लोग को एक-के बाद एक सात टापुओं पर ले जाएगा जहाँ काले जादू की शक्तियां तुमसे टकराएंगी, हर टापू की शक्ति को हरा कर ही तुम अगले टापू की ओर बढ़ सकते हो। छह टापुओं को पार कर के तुम पहुंचोगे सातवें टापू पर जहाँ तुम्हें खोजना होगा बेलमुंडा का खजाना।
ये बेलमुंडा का खजाना क्या है।
यही वो शापित खजाना है जो तुम्हें वो शक्ति प्रदान करेगा जिससे तुम हम्मा-हम्मा के लुटेरों का मुकाबला कर सकोगे। इस खजाने को संसार की तीन सर्वोपरी शक्तियां यानी नाग शक्ति, मानव शक्ति, और जलचर शक्ति सम्मिलित रूप से ही ढूंढ सकती है, यही भविष्यवाणी है।
और अगर हम खजाना ना खोज सके तो ?
तुम भीडू लोग के पास खजाना खोजने के लिए सिर्फ दो दिन और एक रात का समय शेष है, अगर तुम खजाना नहीं खोज सके तो...
...इस समय अवधि के बाद इस आयाम का द्वार खुल जाएगा और इसमें कैद शापित समुंद्री लुटेरे और काली जादुई शक्तियां पृथ्वी के आयाम में जाकर कोहराम मचा देंगी और सारी पृथ्वी को जलमग्न कर देंगी।
बलमा पोपट से आगे कोई कुछ पूछ पाता उससे पहले ही।
जहाज की गति धीमी हो रही है।
सामने एक टापू नजर आ रहा है।
यानी हम तीसरे टापू पर पहुँच गए।

सावधान रहना भीडू लोग, हर टापू के साथ अगले टापू की काली जादुई शक्तियां और ज्यादा खूंखार व खतरनाक होती जाएँगी।
लेकिन ये टापू तो बिल्कुल सुनसान है, यहाँ तो कोई खतरा नजर ही नहीं आ रहा।
वो खतरा सबसे ज्यादा विकट होता है टोड्स जोकि सामने नजर ना आये।
इस टापू का नाम क्या है बलमा।
ये मुर्दों का टापू है बाप।
ही..ही..ही..मुर्दा क्या मुझे तो यहाँ कोई जिन्दा भी नजर नहीं आ रहा।
टापू की जमीन से सड़े-गले मुर्दे निकल कर हमें जकड़ रहे हैं।
ले बाप, तेरे दिल की तम्मना पूरी हो गयी।
ना सिर्फ जकड़ रहे हैं बल्कि अपने साथ जमीन के नीचे भी खींच रहे हैं।
हर्रररर...हूऊऽऽऽऽ....
बू..हू..हू..हू...अब तो बोलना ही पड़ेगा.....हुण अप्पा दा की होऊ...!
जारी है अभी बेलमुंडा का खजाना में!

हम्मा-हम्मा के काले जादू से अगर दुनिया को है बचाना, तो नागराज,
ध्रुव के साथ फाईटर टोड्स को मिलकर पड़ेगा समुंद्री लुटेरों को हराना।
...और समुंद्री लुटेरों को हराएगा
वही जिसके पास होगा...
बेलमुंडा का खजाना
नागराज, सुपर कमांडो ध्रुव और यारां दी टोली फाईटर टोड्स
का रोमांचक समुंद्री लहरों सा उफनता मल्टीस्टारर विशेषांक!